भाग्यं भवति कर्मणा

मासिक राशिफल माह – जून 2012

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01.06.2012

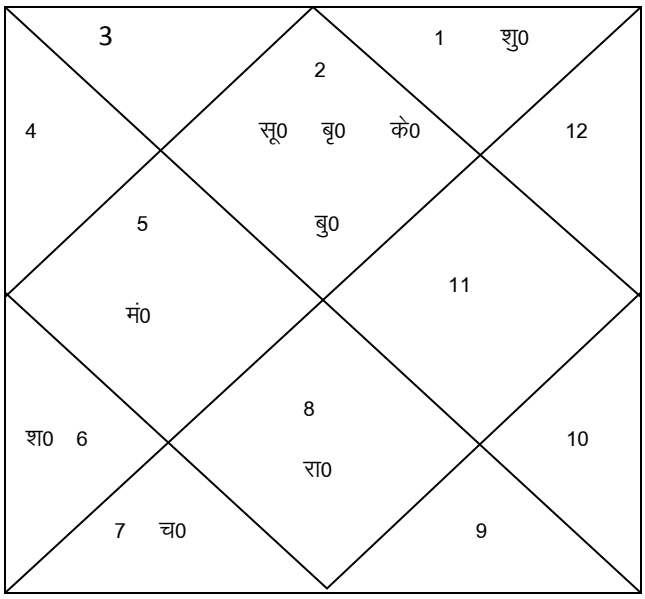

मेष– चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

भोजन व्यवस्था मे अतिरिक्त संसाधनों की वृद्धि होगी। भोग विलास, सौन्दर्य प्रेम की मानसिकता मन से बाहर आयेगी। सप्ताह की शुरुआत मे व्यवसायिक कार्य योजनायें बेहद गतिशील प्रतीत होगी। आर्थिक आय के संसाधन भी जुड़ते प्रतीत हो सकते हैं। संतान पक्ष मौसम सम्बन्धी बीमारियों के शिकार होंगे। बातचीत मे सतर्कता प्रियजनों से नजदीकियां बढ़ायेगी। तारीख 2, 3, 7, 8, 9, 10, 11 उत्तम है।

वृष– ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

दूसरों की शिकायत करने की प्रवृत्ति आपके लिये स्वंय घातक हो सकती है। सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री की खरीद फरोख्त पर व्यय भार के अतिरिक्त श्रोत निर्धारित होंगे। विरोधियों के साथ भी सामन्जस्य स्थापित करने के प्रयासों को बल मिलेगा। व्यस्त रहने के अधिकाधिक प्रकरणों को एकत्रित होना संभावित है न्यायालय सम्बन्धी काम काज मे अवरोध की स्थिति का

सामना करना पड़ सकता है। मित्रों, सहयोगियों के साथ किये गये व्यापारिक समझौते से नाउम्मीदी ही हाथ लगेगी। ग्रहस्थ आश्रम अव्यवस्थित रहेगा। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 9, 10, 11 शुभप्रद है।

मिथुन– का, की, कू, के, को, हा, घ, ण, छ

किसी गीत, संगीत, नृत्य आदि के कार्यक्रम मे आपकी उपस्थिति प्रसंसा का कारण बन सकती है। स्त्री पक्ष के सहयोग के चलते कई गातिहीन होते कार्य गतिशील होंगे। अनियन्त्रित और अनायास खर्च की रुपरेखा भी निर्धारित होगी। साहसिक कार्यों को अंजाम देने की स्थितियों मे लाभ मे रहेंगे। हास, परिहास मनोरंजन की दृष्टि कोण से समय अच्छा प्रतीत होगा। अभिभावक वर्ग का स्वास्थ्य मानसिक तनाव का कारण बनेगा। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 8, 12, 13, 14 प्रगतिकारक है।

कर्क– ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

राज्यधिकारियों की सहयोगी भावना के चलते राजकीय कार्य सुगमता के साथ सम्पन्न होंगे। आर्थिक संसाधन जुटाने के प्रयासों से प्रगतिशील स्थितियां निर्मित होगी। मानसिक रुप से न्याय पक्ष के ही पक्षधर होंगे। साहसिक निर्णय लेने की प्रवृतियों मे बढ़ोत्तरी प्रतीत होगी। अप्रिय बचन और तीखी भाषा का प्रयोग पारिवारिक जीवन मे उलझन बढ़ाने वाला सिद्ध होगा। ग्रहस्थ जीवन की गाड़ी धीरे–धीरे चलती प्रतीत होगी। माह के दूसरे सप्ताह मे कई कार्यों के होने के आसार प्रतीत होंगे। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 14, 16 प्रगति सूचक सिद्ध होगी।

सिंह– मा, मी, मू, मे, मो, टा, टू, टे

धार्मिक अनास्था धार्मिक आस्था मे परिवर्तित हो सकती है। रोजी रोटी की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। भाषा–शैली को नियंत्रित रखकर कर्मक्षेत्र मे मजबूती के साथ डटे रहे लाभ मे रहेंगे। सहयोगियों से आपेक्षित सहयोग प्राप्त करने मे सफल रहेंगे। जीवन संगिनी के साथ तीखी मीठी नोंक–झोंक का सामना करना पड़ सकता है। सजग रहकर ही व्यापार मे पूंजी निवेश करना हितकर होगा। भागदौड़ के अतिरिक्त संसाधन भी बनते प्रतीत होंगे। स्त्री वर्ग से रचनाप्तक सहयोग मिलेगा। तारीख 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18 शुभकारक होगी।

कन्या– टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ

वाणी मे वाचालता की समाविष्टि के कारण स्वजनों का विरोध सहन करना पड़ सकता है। आडम्बर विहीन धार्मिक आस्था के मानसिक रुप से पक्षधर रहेंगे। राजकीय कामकाजों के प्रति सजग रहने की आवश्यकता है। व्ययभार के उत्पन्न अतिरिक्त श्रोत मानसिक तनाव का वातावरण भी बना सकते हैं अनायास प्रापर्टी सम्बन्धी कार्यों मे लाभान्वित होने की स्थिति आयेगी। दूरस्थ यात्रा प्रसंगों के भी संकेत प्राप्त होंगे। किसी भी प्रकार की व्यवसायिक साझेदारी से लाभ की आशा न करना ही हितकर होगा। तारीख 3, 4, 5, 9, 10, 11, 12, 13 उन्नतिकारक सिद्ध होंगी।

तुला– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

आप द्वारा पेय पदार्थों का अधिकाधिक सेवन बढ़ेगा। किसी गम्भीर विषय के अध्ययन के चेष्टायें मन से बाहर आ सकती है। गृहिणी के साथ मधुरतम पलों का बेहतर सदुपयोग होगा। अग्रज वर्ग का आशातीत सहयोग प्राप्त होगा। माह के प्रथम सप्ताह मे राजकीय कार्यों मे उन्नति होगी। कुसंगति के कारण मानसिक तनाव का वातावरण भी बनता बिगड़ता प्रतीत होगा। आम आदमी के साथ–साथ विशिष्टजनों तक सम्पर्क साधन मे सफल सिद्ध होंगे। ईश्वर अराधना अरुचिकर प्रतीत हो सकती है। तारीख 1, 2, 5, 6, 7, 11, 12, 13 उत्तम सूचक है।

वृश्चिक – तो, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

राजद्वारीय मामलों मे आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। धर्म और अधर्म के मध्य की व्याख्या करना आप के लिए जटिल सिद्ध होगा। व्यवहारिक दृष्टिकोण अपना कर व्यवसायिक हित साधने के प्रयासों से आंशिक लाभ की ही उम्मीद करना बेहतर सिद्ध होगा। विरोधी भी आपकी सहयोगी भावना के चलते आपसे प्रभावित प्रतीत होंगे। निर्णय क्षमता निश्चय और अनिश्चय के मध्य मार्ग की ओर अग्रसर रहेगी। ग्रहस्थ जीवन मे उतार–चढ़ाव की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। तारीख 3, 4, 5, 7, 8, 9, 14, 15, 16 उत्तम काकर है।

धनु– ये, यो, भा, भी, भू, भे, ध, फ द

आय और व्यय मे असंतुलन के कारण मानसिक परेशानी होगी। विपक्षी भी आपके साथ साथ सामन्जस्य स्थापित करते नजर आयेंगे। हंसी, मजाक, व्यन्ग, बोलने के सुअवसरों पर आपकी अधिक से अधिक भागीदारी रहेगी। रोजी रोजगार सम्बन्धी क्रिया–कलापों मे अल्प लाभ की स्थितियां निर्मित होंगी। संतान पक्ष के उत्तरदायित्वों के प्रति पूर्ण रुप से सजग और

जागरुक रहेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे किये गये प्रयास सकारात्मक दिशा की ओर अग्रसर होंगे। तारीख 1, 2, 9, 10, 11, 16, 17, 18 शुभ प्रदसिद्ध होंगी।

मकर– भो, जा, जी, सी, खू, खो, गा, गी

भगवान मे पूर्ण रुपेण आस्था अनास्था मे परिवर्तित हो सकती है। दौड़धूप और व्यस्तता के दौरान सतर्कता बरतना हितकर होगा। महिला राज्याधिकारियों की कृपा दृष्टि के चलते कई बिगड़ते कार्यों को संभाल सकते है। पठन–पाठन कार्यक्रमों मे आशानुकूल प्रगति पथ निर्धारित होंगे। सतांन पक्ष की ओर से सुखद समाचार की आमद होगी। राजनैतिक जन सम्पर्क स्थापित करने के प्रयास को बल मिलेगा। घर ग्रहस्थी के अनुभव सुखद प्रतीत हो सकते हैं। तारीख 3, 4, 5, 7, 8, 9, 11, 12, 13 उन्नति सूचक प्रतीत होंगी।

कुम्भ– गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द

महिला मित्र मन्डली के सहयोग के चलते सामाजिक क्रिया कलापों मे उन्नति की ओर अग्रसर होंगे। उच्च शिक्षा, उच्च डिग्री सम्बन्धी मामलों मे प्रगति पथ निर्धारित हो सकते हैं। न्यायालय से जुड़ी गतिविधियां बेहतर परिणाम की सूचक सिद्ध होंगी। किसी धार्मिक, अध्यात्मिक मामले मे विघ्न बाधायें उपस्थित होंगी। दाम्पत्य जीवन मे भी तीखी, मीठी नोंकझोंक का सामना करना पड़ सकता है। आय और व्यय मे असंतुलन स्पष्ट रुप से प्रतीत होगा। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 9, 10, 11 प्रगति पथ निर्धारक सिद्ध होगी।

मीन– दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची

बातचीत मे सौम्यता और शिष्टाचार वाली भाषा स्पष्ट रुप परिलच्छित होगी। बेरहम मौसम की मार के चलते शीत विकार, ज्वर आदि का सामना करना पड़ सकता है। धन लाभ के कई सुअवसरों का लाभ आपको प्राप्त होता रहेगा। विपक्षी व्यापारियों की अत्याधिक सक्रियता आपको व्यवसायिक कार्यक्षेत्र मे सकते मे डाल सकती है। जीवन साथी की अति वाचालता और निर्णय लेने मे अनिश्चय की स्थिति के कारण ग्रहस्थ आश्रम प्रभावित रहेगा। ईश्वर अराधना मे उदासीनता प्रतीत होगी। राजनैतिक सम्पर्कों के साथ मजबूती से जुड़े रहेंगे। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 11, 12, 13 उत्तम सूचक है।

माह के व्रत पर्व और त्योहार–

1. शनि प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, बटसावित्री व्रतारम्भ 03 दिनात्मक (दक्षिण भारत) – 02 जून, शनिवार।
2. व्रत की पूर्णिमा, चम्पक चतुर्दशी (बंगाल) – 03 जून, रविवार।
3. स्नान दान की पूर्णिमा, मन्वादि पूर्णिमा, जलयात्रा पूर्णिमा, बट सावित्री व्रत्, सन्त कबीर जयन्ती – 04 जून सोमवार।
4. श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम् – 07 जून, गुरुवार।
5. सयंकाल 06 बजकर 20 मिनट से पंचक प्रारम्भ, कोकिला पंचमी (जैन) नाग पूजा (बंगाल) – 09 जून, शनिवार।
6. शीतला अष्टमी – 12 जून, मंगलवार।
7. योगिनी एकादशी व्रतम् – 15 जून शुक्रवार।
8. शनि प्रदोष त्रयोदशी व्रतम् – 16 जून, शनिवार।
9. स्नान दान व श्राद्ध की अमावस्या, हलहारिणी अमावसया – 19 जून, मंगलवार।
10. चन्द्र दर्शन मु0 45, रथ यात्रा द्वितीया, श्री राम बलराम रथोत्सव जगन्नाथ पुरी, दुर्वा दर्शन द्वितीया, मनोरथ द्वितीया – 21 जून, गुरुवार।
11. श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम् – 23 जून, शनिवार।
12. श्री स्कन्द षष्ठी, कुमार षष्ठी, कर्दम षष्ठी (बंगाल) – 25 जून, सोमवार।
13. मन्वादि दसमी, गिरिजा पूजा दसमी, आशा दशमी, सोम पदा दसमी – 29 जून, शुक्रवार।
14. हरिशयनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम – 30 जून, शनिवार।

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां, रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208

Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail : panditanandawasthi@aarshjyotish.in

पंडित आनंद अवस्थी